

चार CPSE को नवरत्न का दर्जा

स्रोत: बजिनेस स्टैंडर्ड

हाल ही में सरकार ने चार **केंद्रीय सार्वजनिक कषेत्र उद्यमों (CPSE)** - रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया, सोलर एनर्जी कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया, सतलुज जल वदियुत नगिम लमिटिड (SJVN) और नेशनल हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन (NHPC) को 'नवरत्न' का दर्जा दिया है। इससे भारत में नवरत्न CPSE की कुल संख्या बढ़कर 25 हो गई है।

- **उद्देश्य:** वर्ष 1997 में शुरू की गई नवरत्न योजना का उद्देश्य तुलनात्मक लाभ वाले CPSE की पहचान करना और उन्हें वैश्विक दगिगज बनने में सहायता करना है।
 - नवरत्न वर्गीकरण उन सरकारी स्वामित्व वाली कंपनियों को दिया जाता है, जनिहें पहले उनके उत्कृष्ट वत्तीय और बाज़ार परदर्शन के लयि 'मनीरत्न' श्रेणी। के रूप में वर्गीकृत कयि गया था।
- वत्ति मंत्रालय का **सार्वजनिक उद्यम वभिण (DPE)** कम्पनियों को नवरत्न का दर्जा देने के लयि ज़मिमेदार है।
- **नवरत्न दर्जे के लाभ:** इसे वत्तीय और परचालन संबंधी स्वतंत्रता मलिती है तथा यह सरकार की मंजूरी के बनिा कसिी एक परयोजना पर 1,000 करोड रुपए या अपनी कुल संपत्ति का 15% तक नविश करने का अधकिार देता है।
 - उन्हें संयुक्त उद्यम स्थापति करने, गठबंधन बनाने तथा वदिश में सहायक कम्पनियों स्थापति करने की भी स्वतंत्रता होती है।

CPSE का वर्गीकरण			
श्रेणी	लॉन्च	मानदंड	उदाहरण
महारत्न	मई, 2010 में CPSE के लयि महारत्न योजना शुरू की गई थी ताकि बिडे CPSE को अपने परचालन का वसितार करने और वैश्विक दगिगज के रूप में उभरने में सक्षम बनाया जा सके।	- नवरत्न का दर्जा प्राप्त हो। - भारतीय प्रतभूति एवं वनिमिय बोर्ड (SEBI) के नयिमों के तहत न्यूनतम नरिधारति सार्वजनिक शेयरधारति के साथ भारतीय स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध हो। - पछिले 3 वर्षों के दौरान 25,000 करोड रुपए से अधकि का औसत वार्षकि कारोबार हो। - पछिले 3 वर्षों के दौरान 15,000 करोड रुपए से अधकि की औसत वार्षकि नविल परसिंपत्ति हो। - पछिले 3 वर्षों के दौरान 5,000 करोड रुपए से अधकि का कर के बाद औसत वार्षकि नविल लाभ हो। - महतत्वपूर्ण वैश्विक	भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लमिटिड, भारत पेट्रोलयिम कॉर्पोरेशन लमिटिड, कोल इंडिया लमिटिड, गेल (इंडिया) लमिटिड, आदि।

		उपस्थिति/अंतरराष्ट्रीय परचालन होना चाहिये।	
नवरत्न	नवरत्न योजना वर्ष 1997 में शुरू की गई थी ताकि उन CPSE की पहचान की जा सके जो अपने संबंधित क्षेत्रों में तुलनात्मक लाभ का आनंद लेते हैं और वैश्विक भागीदार बनने के उनके अभियान में उनका समर्थन करते हैं।	- मनीरत्न श्रेणी-I और अनुसूची 'A' CPSE, जिन्होंने पिछले पाँच वर्षों में से तीन वर्षों में समझौता ज्ञापन प्रणाली के तहत 'उत्कृष्ट' या 'बहुत अच्छा' रेटिंग प्राप्त की है तथा छह चयनित प्रदर्शन मापदंडों में 60 या उससे अधिक का समग्र स्कोर है, अर्थात्, - नविल लाभ से नविल मूल्य। - उत्पादन/सेवाओं की कुल लागत में जनशक्ति लागत। - नियोजित पूंजी में मूल्यहरास, ब्याज और करों से पहले लाभ। - टर्नओवर में ब्याज और करों से पहले लाभ। - प्रतिशेयर आय। - अंतर-क्षेत्रीय प्रदर्शन।	भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, हनुमान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड, आदि।
मनीरत्न	मनीरत्न योजना वर्ष 1997 में नीतिके अनुसरण में शुरू की गई थी जिसका उद्देश्य सार्वजनिक क्षेत्र को अधिक कुशल और प्रतिस्पर्धी बनाना तथा लाभ कमाने वाले सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों को अधिक स्वायत्तता और शक्तियाँ सौंपना था।	- मनीरत्न श्रेणी-I: जिन्होंने पिछले तीन वर्षों में लगातार लाभ कमाया है, कम से कम तीन वर्षों में से एक वर्ष में कर-पूर्व लाभ 30 करोड़ रुपए या उससे अधिक है और उनकी नविल परसिपत्त सकारात्मक है, उन्हें मनीरत्न-I का दर्जा दिये जाने पर विचार किया जा सकता है। - मनीरत्न श्रेणी-II: जिन्होंने पिछले तीन वर्षों में लगातार लाभ कमाया है और उनकी नविल परसिपत्त सकारात्मक है, उन्हें मनीरत्न-II का दर्जा दिये जाने पर विचार किया जा सकता है। - मनीरत्न CPSE को सरकार को देय किसी भी ऋण पर ऋण/ब्याज भुगतान के पुनर्भुगतान में चूक नहीं करनी चाहिये। - मनीरत्न CPSE बजटीय सहायता या सरकारी गारंटी पर निर्भर नहीं होंगे।	- श्रेणी-I: एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया, एंटरप्रिजिस कॉर्पोरेशन लिमिटेड, आदि। - श्रेणी-II: कूत्रमि अंग निर्माण कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया, भारत पंप्स एंड कंप्रेसर्स लिमिटेड, आदि।

और पढ़ें: [भारतीय अर्थव्यवस्था के क्षेत्र](#)

